कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 209 कानपुर, मंगलवार 31 जनवरी 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

चने की फसल को फली छेदक कीट से बचाए किसान : डॉ रामसिंह

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कीट विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर राम सिंह उमराव ने चने की फसल को फली छेदक कीट से बचाए किसानों हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि चना देश में उगाई जाने वाली दलहनी फसलों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसमें कैल्शियम, आयरन,विटामिन और कार्बोहाइड्रेट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। शरीर में होने वाली रक्त की कमी, कब्ज,मधुमेह और पीलिया जैसे रोगों में चना बहुत असरकारक सिद्ध होता है। डॉक्टर उमराव ने बताया कि प्रदेश में चने का क्षेत्रफल लगभग 631 हजार हेक्टेयर है। उन्होंने बताया कि चने की फसल में यदि फली छेदक कीट का नियंत्रण समय पर नहीं किया जाता है तो पैदावार में लगभग 50 से 60ब तक का नुकसान हो जाता है। डॉक्टर उमराव ने कहा कि चने का फली छेदक कीट शुरुआत में पत्तियों को खाता है। इसके बाद फली लगने पर उन में छेद

कर दानों को खोखला कर देता है। इससे दाना नहीं बन पाता व फसल खराब हो जाती है। उन्होंने इसके जैविक नियंत्रण हेतु किसानों को सलाह दी है कि फरवरी माह में 5 से 6 फेरोमेन ट्रैप प्रति हेक्टेयर लगा दे। एक या एक से अधिक फली छेदक कीट की तितलियां आने पर दवा का छिड़काव करना है। इसके लिए चना फसल में 50ब फूल आने पर एनपीबी 250 एल.ई.एक मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। 15 दिन बाद बीटी 750 मिली लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें अथवा 50ब फूल आने पर 700 मिलीलीटर नीम का तेल प्रति हेक्टेयर घोल बनाकर छिड़काव कर दें। डॉक्टर उमराव ने बताया कि रासायनिक नियंत्रण के लिए इंडोक्साकार्ब14.3 एससी एक मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 0.5 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जिससे चने की फसल सुरक्षित रहेगी व किसान को बाजार भाव भी अच्छा मिलेगा।

भारत जोड़ो यात्रा का समापन: श्रीनगर में... 12

मण्डलायुक्त द्वारा कामधेनु उद्योग नगर का किया... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 110
मूल्य: ₹ 3.00/-
पेज : 12
मंगलवार | 31 जनवरी, 2023

चने के गुणों के बारे में किया गया जागरूक

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर: देश में उगाई जाने वाली दलहनी फसलों में चने का महत्वपूर्ण स्थान है इसमें कैल्शियम, आयरन,विटामिन और कार्बोहाइड्रेट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। चना शरीर में होने वाली रक्त की कमी, कब्ज, मधुमेह और पीलिया जैसे रोगों में चना बहुत असरकारक सिद्ध होता है। चंद्रशेखर

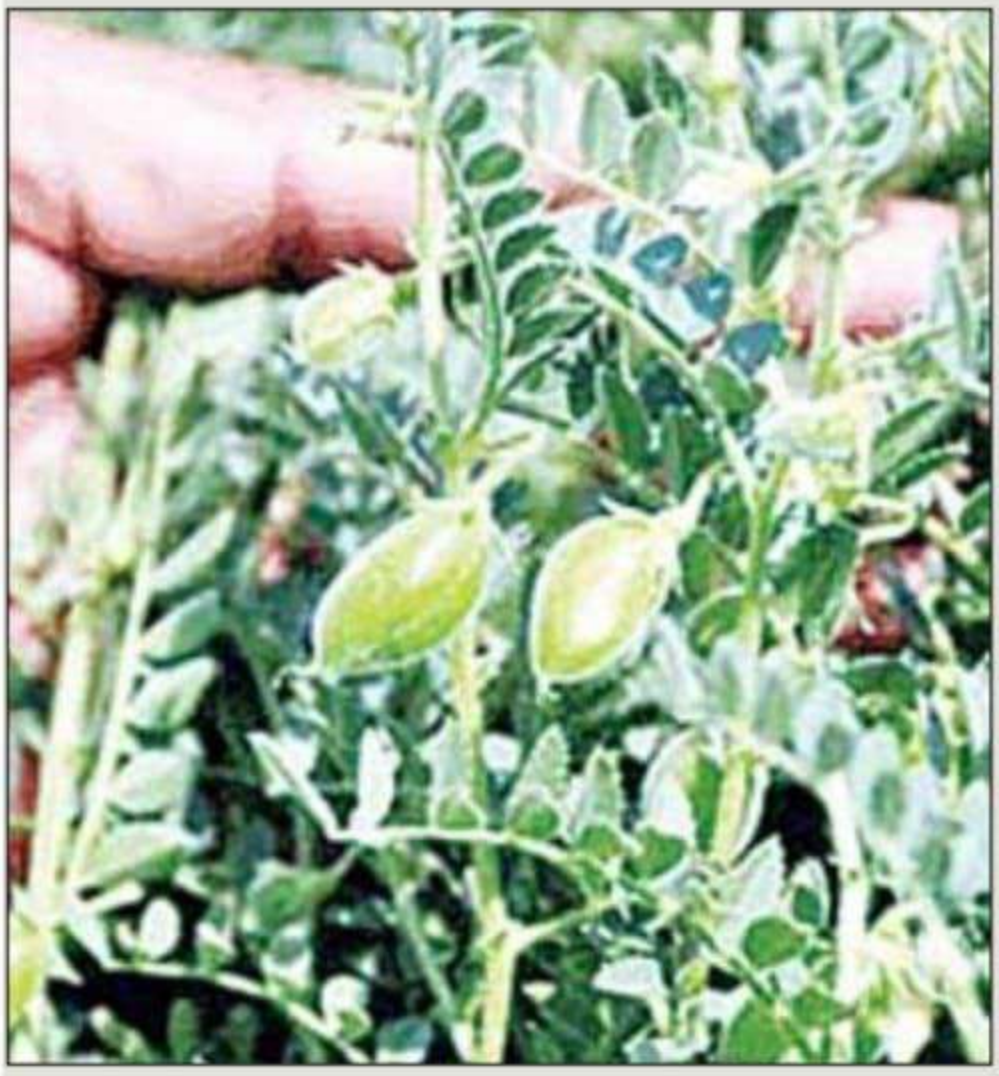

आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.राम सिंह उमराव ने किसानों के लिए बीते दिन सोमवार को चने की फसल का फली छेदक कीट से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि चने की फसल में लगने वाले फली छेदक कीट का समय पर नियंत्रण न किए जाने की दशा में पैदावार में लगभग 50 से 60 फीसदी तक का नुकसान होता है। यह कीट शुरुआत में पत्तियों को खाता है और बाद में फली लगने पर उनमें छेद कर दानों को खोखला कर देता है। इससे दाना नहीं बन पाता व फसल खराब हो जाती है। उन्होंने कहा कि इसके जैविक नियंत्रण के लिए किसान फरवरी माह में 5 से 6 फेरोमेन ट्रैप प्रति हेक्टेयर लगा दें तथा एक या एक से अधिक फली छेदक कीट की तितलियां आने पर दवा का छिड़काव करना चाहिए।

अमर उजाला कानपुर 31/01/2023

सीएसए के तीन छात्रों को मिली नौकरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के तीन छात्रों को 5.80 लाख के पैकेज पर नौकरी मिली है। निदेशक सेवायोजन डॉ. विजय यादव ने बताया कि कैशपोर माइक्रो क्रेडिट कंपनी ने शिवम दुबे, शिवानी वर्मा और शालिनी सिंह को ऑफर लेटर दिया है। वहीं, प्रदीप फॉस्फेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने नौ छात्रों को फाइनल राउंड के लिए शार्ट लिस्ट किया है। इसके साथ ही कई कंपनियां छात्रों की परीक्षा लेकर जा चुकी हैं। वहीं, फरवरी में कपिला, वीएनआर सीड्स, अडामा, प्लैनेट स्पार्क और लीड्स कनेक्ट कंपनी कैंपस में नौकरियां लेकर आएंगी। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने छात्र छात्राओं को बधाई दी। (संवाद)

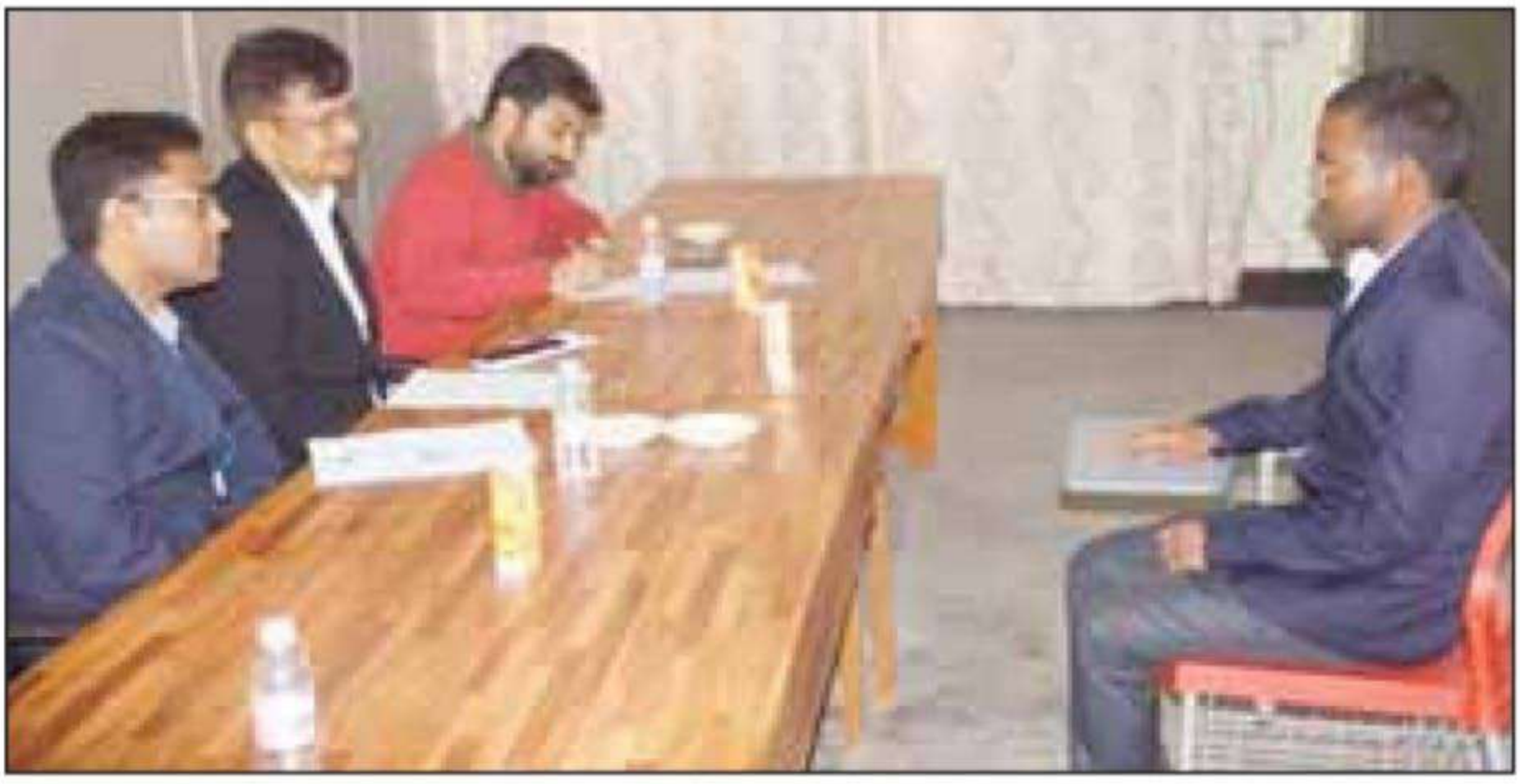

छात्र का इंटरव्यू लेते कम्पनी के अधिकारी।

कैम्पस ड्राइव में 7 छात्रों को मिली जाब

कानपुर, 30 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कैंपस में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में आज 33 छात्र-छात्राओं को फाइनल राउंड के लिए 6 लाख प्लस पैकेज पर शार्टलिस्ट किया है। फर्टिलाइजर्स कंपनियों एडवाटेंड ग्रुप जिसमें फर्टीलाइजर्स कंपनी पी.एफ. लि. आदि शामिल हुई। इसके अलावा कैशपोर माइक्रो क्रेडिट कंपनी के श्रवण कुमार एचआर हेड ने 30 छात्र-छात्राओं का ग्रुप डिस्कशन एवं पर्सनल इंटरव्यू लिया जिसमें फाइनल राउड के लिए 7 छात्रों का चयन हुआ था। जिसमें तीन छात्र शिवम दुबे, शिवानी वर्मा, एवं शालिनी सिंह का आफर लेटर प्राप्त हो चुका है। इन चयनित छात्रों को अन्य सुविधिाओं के साथ 5.80 लाख का पैकेज मिला है।

सेवायोजन के निदेशक डा. विजय कुमार यादव ने बताया कि 31 जनवरी को कपिला ग्रुप एवं 1 फरवरी को वीएनआर सीड्स प्रा. लि. 8 फरवरी को एडीएएमए फरवरी के द्वितीय पखवाड़े में प्लेनेट स्पार्क एवं लीड्स कानेक्ट के कैम्पस डाइव प्रस्तावित है। चयनित छात्र-छात्राओं को कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने बधाई दी है।

चने की फसल को फली छेदक कीट से बचाए किसान- डॉ रामसिंह

स्वतंत्र भारत संवाददाता

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कीट विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर राम सिंह उमराव ने चने की फसल को फली छेदक कीट से बचाए किसानों हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि चना देश में उगाई जाने वाली दलहनी फसलों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसमें कैल्शियमए आयरनएविटामिन और कार्बोहाइड्रेट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। शरीर में होने वाली रक्त की कमीए कब्जएमधुमेह और पीलिया जैसे रोगों में चना बहुत असरकारक सिद्ध होता है। डॉक्टर उमराव ने बताया कि प्रदेश में चने का क्षेत्रफल लगभग

631 हजार हेक्टेयर है। उन्होंने बताया कि चने की फसल में यदि फली छेदक कीट का नियंत्रण समय पर नहीं किया जाता है तो पैदावार में लगभग 5 से 6: तक का नुकसान हो जाता है। डॉक्टर उमराव ने कहा कि चने का फली छेदक कीट शुरुआत में पत्तियों को खाता है। इसके बाद फली लगने पर उन में छेद कर दानों को खोखला कर देता है। इससे दाना नहीं बन पाता व फसल खराब हो जाती है। उन्होंने इसके जैविक नियंत्रण हेतु किसानों को सलाह दी है कि फरवरी माह में 5 से 6 फेरोमेन ट्रैप प्रति हेक्टेयर लगा दे। एक या एक से अधिक फली छेदक कीट की तितलियां आने पर दवा का छिड़काव करना है। इसके लिए चना फसल में 5: फूल आने पर एनपीबी 25 एलर्ईएक मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। 15 दिन बाद बीटी 75 मिली लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें अथवा 5: फूल आने पर 7 मिलीलीटर नीम का तेल प्रति हेक्टेयर घोल बनाकर छिड़काव कर दें।

हिंदुस्तान कानपुर 31/01/2023

तीन छात्रों को मिला 5.80 लाख का पैकेज

कानपुर। सीएसए में कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन हुआ। पारादीप फास्फेट लिमिटेड के रीजनल हेड विनोद सिंह व उनकी टीम ने 33 छात्र-छात्राओं की लिखित परीक्षा ली। फाइनल राउंड में छह लाख से अधिक की पैकेज वाली जॉब को नौ छात्र-छात्राओं को चयनित किया गया है। कैशपोर माइक्रो क्रेडिट कंपनी ने छात्र शिवम, शिवानी, शालिनी का 5 .80 लाख के पैकेज पर चयन किया है।

दैनिक जागरण कानपुर 31/01/2023

गेहूं की अच्छी पैदावार के लिए तुरंत करें खाद का छिड़काव

जागरण संवाददाता, कानपुर : गेहूं की फसल में बढ़वार शुरू हो गई है। यही मौका फसल में खाद के छिड़काव का है। खेत व फसल की जरूरत के अनुसार खाद छिड़ककर बंपर पैदावार ली जा सकती है। सीएसए के कृषि मौसम वैज्ञानिक डा एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि गेहूं की फसल में बाली बनने लगी हैं। दानों को मोटा और मजबूत बनाने के लिए इस समय खाद का छिड़काव किया जाना चाहिए। किसानों को चाहिए कि एक किलो जिंक सल्फेट और 500 ग्राम बुझा हुआ चूना 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल बना लें। इस घोल का हर 15 दिन के बाद दो से तीन बार गेहूं फसल पर छिड़काव करे। गेहूं में नाइट्रोजन की एक तिहाई मात्रा दी जा सकती है।